Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2020 GISRRJ | Volume 3 | Issue 6 | ISSN : 2582-0095

शिक्षकों में अभिप्रेरणा का एक सर्वेक्षणात्मक अध्ययन

डॉ0 विवेक कुमार सिंह
(एम.ए., एम.एड., पी–एच.डी.) सहायक आचार्य,
रामानन्द सिंह कॉलेज ऑफ एजूकेशन, फूलपुर, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

Article Info
Volume 3 Issue 6
Page Number : 226-230
Publication Issue :
November-December-2020
Article History
Accepted : 01 Dec 2020
Published : 25 Dec 2020

सारांश–अध्ययनकर्त्ता द्वारा सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। उद्देश्य के रूप में पुरुष एवं महिला शिक्षकों में अभिप्रेरणा की तुलना अलग–अलग किये गये हैं। अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में मध्य प्रदेश के गुना जनपद के सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् शिक्षकों को जनसंख्या माना गया है। अध्ययन में लॉटरी विधि द्वारा 10 सरकारी एवं 10 गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों का चयन कर उसमें अध्यापनरत् 100 शिक्षकों (50 पुरुष एवं 50 महिला) का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया। अध्ययन में अभिप्रेरणा मापनी का निर्माण एवं प्रमाणीकरण डा0 के0एस0 मिश्र एवं डा0 प्रतीक उपाध्याय द्वारा किया गया है, का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं टी–अनुपात सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया– सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा में अन्तर पाया गया। यह अन्तर यह दर्शाता है कि गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा उच्च पाया जाना यह दर्शाता है कि गैर सरकारी विद्यालयों में प्रबन्ध द्वारा विद्यार्थियों की संख्या में अधिकता लाने हेतु अच्छे वातावरण, अच्छे संसाधन, कुशल शिक्षण विधियों, आधुनिक सयंत्रों की उपलब्धता के कारण शिक्षकों द्वारा बच्चों को कुशल शिक्षण प्रदान कराने के साथ उच्च अभिप्रेरणा के साथ कक्षा–कक्ष में अध्यापन कार्य कराते हैं। समान अध्ययन में **अलथाफ लिण्डे एण्ड मासन (2007)** ने अध्ययन में इंगित किया कि जिन कक्षाओं का वातावरण अच्छा एवं अध्यापकों का छात्रों के प्रति दृष्टिकोण अच्छा था उस कक्षा के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा अन्य कक्षाओं के छात्रों की अपेक्षा अधिक थी। वहीं सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की स्थिति बहुत दयनीय हो गयी है तथा सरकार द्वारा आने वाले अनुदान का सही उपयोग न करना तथा विद्यालय में आधुनिक सयंत्रों की सुविधा न होने के कारण शिक्षकों की अभिप्रेरणा कम पाया जाना हो सकता है।

की–वर्ड– सरकारी, गैर सरकारी, माध्यमिक, विद्यालय, पुरुष, महिला, शिक्षक, अभिप्रेरणा, तुलना।

Copyright : © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

प्रस्तावना– अभिप्रेरणा शिक्षकों के शिक्षण व्यवहार को जागृत या उत्तेजित करती है जिससे उनके व्यवहार का संचालन प्रेरणा द्वारा ही होता है। अभिप्रेरणा शिक्षक के अन्दर शक्ति परिवर्तन से प्रारम्भ होती है अधिकांश प्रेरकों के लिए उत्तरदायी शक्ति परिवर्तनों का वर्णन नहीं किया जा सकता है।अभिप्रेरणा शिक्षकों की आन्तरिक कारक या स्थिति अथवा तत्परता है जो कक्षा–कक्ष में विद्यार्थियों के अन्दर उत्प्रेरणा जाग्रत करती है तथा विद्यार्थियों के शिक्षण कार्यों में बढ़ावा देने में अपना विशेष योगदान प्रदान करती है। **अलथाफ लिण्डे एण्ड मासन (2007)** ने अध्ययन में इंगित किया कि जिन कक्षाओं का वातावरण अच्छा एवं अध्यापकों का छात्रों के प्रति दृष्टिकोण अच्छा था उस कक्षा के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा अन्य कक्षाओं के छात्रों की अपेक्षा अधिक थी। **महरजन, सरिता (2012)** ने अध्ययन के निष्कर्ष में इंगित किया कि अध्यापक ज्यादा पैसा कमाने के चलते प्रेरणाहीन हो गये हैं। लेकिन फिर भी वे अपने वेतन से असन्तुष्ट है। सम्पूर्ण विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि अध्यापक अपने कार्य से अभिप्रेरित एवं कार्य से सन्तुष्ट है। अध्यापकों में कार्य सन्तुष्टि एवं कार्य अभिप्रेरणा के बीच सकारात्मक सम्बन्ध है। इससे यह पता चलता है कि प्रशासन को अध्यापकों में अपने अध्यापन के जज्बे को बरकरार रखने के लिए वेतन बढ़ोत्तरी पर ध्यान देना चाहिए। **ए.जे. सेनीवोलिबा (2013)** ने अध्ययन के निष्कर्ष में इंगित किया कि वेतन, कार्य स्थिति, प्रोत्साहन, चिकित्सीय भत्ता, सुरक्षा, पहचान, उपलब्धि प्रगति, विद्यार्थियों की अनुशासनहीनता, स्कूल पालिसी और सामाजिक स्थिति जैसे दस मुद्दे है जो शिक्षकों के अभिप्रेरण एवं कार्य सन्तुष्टि को बढ़ाने, बरकरार रखने या छोड़ने के लिए बाध्य करते हैं। अन्य कारण यह है कि जब एक शिक्षक समान योग्यता, अनुभव एवं उत्तरदायित्व से जुड़े गैर अध्यापन वाले विभाग से तुलना करता है तो उसे असमानता का बोध होता है। **घोलिजडे, लीडा एवं अन्य (2014)** ने निष्कर्ष में इंगित किया कि कर्मचारियों के मनोवैज्ञानिक भावनाओं पर ध्यान देकर बेहतर अभिप्रेरणा एवं प्रदर्शन के सहारे संस्थागत लाभ पाया जा सकता है। यदि संस्था कर्मचारियों के जरूरतों को समझता है तो वे संस्था के लिए बेहतर कार्य कर सकते हैं। **सलमेट, रियडी (2015)** ने अध्ययन के निष्कर्ष में इंगित किया कि– केन्द्रीय तापानुलि राज्य में हाईस्कूल के अध्यापकों का कार्य प्रदर्शन बेहतर, कार्य अभिप्रेरणा उच्च एवं कार्य तनाव ज्यादा और कार्य सन्तुष्टि कम थी। केन्द्रीय तापानुलि राज्य के विभिन्न जिलों में कार्य अभिप्रेरणा ने हाईस्कूल के अध्यापकों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया था। कार्य सन्तुष्टि की सुनिश्चितता पर कार्य तनाव का नकारात्मक प्रभाव देखा गया। कार्य अभिप्रेरणा ने सकारात्मक रूप से केन्द्रीय तापानुलि के हाईस्कूल अध्यापकों के प्रदर्शन को प्रभावित किया था। **अली यासिन एवं अन्य (2016)** ने अध्ययन के निष्कर्ष में इंगित किया कि अभिप्रेरणा का अभाव असंतुष्ट और स्वतंत्र अध्यापकों की नींव तैयार करेगा जिनमें अनुपस्थिति, भगोड़ापन और निष्क्रिय व्यवहार की प्रबलता होगी। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि स्कूल के प्रधानाध्यापक को कार्य के महत्वपूर्ण भागों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एवं कार्य को रुचिकर और प्रभावी बनाकर शिक्षकों की सन्तुष्टि को बढ़ाना चाहिए। **इलीफेलेट (2016)** ने अध्ययन के निष्कर्ष में इंगित किया कि अध्यापकों के प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों जैसे किताबों, प्रयोगशाला और पर्याप्त शिक्षक संख्या, जल, अध्यापकों के भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवा, निर्णयन में अध्यापकों की भूमिका भी कार्य प्रदर्शन को प्रभावित करती है। सरकार द्वारा संचालित स्कूलों के मूल्यांकन से पता चलता है कि देश में शिक्षा व्यवस्था के आधारिक संरचना के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उपरोक्त राज्य विशेषकर माध्यमिक स्कूलों में अध्ययन अध्यापन के वातावरण को सुधारने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

अध्ययन का उद्देश्य– अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्माण किया गया है–

1. सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् पुरुष शिक्षकों में अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् महिला शिक्षकों में अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ– उद्देश्यों के आधार पर निम्नलिखित परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है–

1. सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् पुरुष शिक्षकों में अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् महिला शिक्षकों में अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध–विधि– अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या– अध्ययन में गुना जनपद के सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् शिक्षकों को जनसंख्या माना गया है।

न्यादर्श– अध्ययन में लॉटरी विधि द्वारा 10 सरकारी एवं 10 गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों का चयन कर उसमें अध्यापनरत् 100 शिक्षकों (50 पुरुष एवं 50 महिला) का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया। अध्ययन म

उपकरण– अभिप्रेरणा मापनी का निर्माण एवं प्रमाणीकरण डा0 के0एस0 मिश्र एवं डा0 प्रतीक उपाध्याय द्वारा किया गया है, जिसका प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी विधियाँ– अध्ययन में तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं टी–अनुपात सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

1. सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा का तुलना–

H_1 सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा में अन्तर है।

H_{01} सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा में अन्तर नहीं है।

सारणी सं0 1

सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा के बीच टी–अनुपात

क्र0 सं0	न्यादर्श	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मध्यमान का अन्तर	प्रमाणिक त्रुटि	टी–मान
1.	सरकारी	50	118.30	20.52	11.56	3.67	3.15*
2.	गैर सरकारी	50	129.86	15.93			

*0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक

व्याख्या– उपर्युक्त सारणी सं0 1 में सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा का मध्यमान क्रमशः 118.30 एवं 129.86 जबकि मानक विचलन क्रमशः 20.52 एवं 15.93 है। दोनों के मध्य टी–मान 3.15 है जो कि .05 सार्थकता स्तर पर सार्थक पाया गया अर्थात् दोनों प्रकार के विद्यालयों में अन्तर पाया गया।

2. सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् पुरुष शिक्षकों में अभिप्रेरणा का तुलना–

H_2 सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् पुरुष शिक्षकों में अभिप्रेरणा में अन्तर है।

H_{02} सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् पुरुष शिक्षकों में अभिप्रेरणा में अन्तर नहीं है।

सारणी सं0 2

सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् पुरुष शिक्षकों में अभिप्रेरणा के बीच टी–अनुपात

क्र0 सं0	न्यादर्श	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मध्यमान का अन्तर	प्रमाणिक त्रुटि	टी–मान
1.	सरकारी	25	111.72	13.82	14.26	4.21	3.39*
2.	गैर सरकारी	25	126.00	15.87			

*0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक

व्याख्या– उपर्युक्त सारणी सं0 2 में सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् पुरुष शिक्षकों में अभिप्रेरणा का मध्यमान क्रमशः 111.72 एवं 126.00 जबकि मानक विचलन क्रमशः 13.82 एवं 15.87 है। दोनों के मध्य टी–मान 3.39 है जो कि .05 सार्थकता स्तर पर सार्थक पाया गया अर्थात् दोनों प्रकार के विद्यालयों में अन्तर पाया गया।

3. सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् महिला शिक्षकों में अभिप्रेरणा का तुलना–

H_3 सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् महिला शिक्षकों में अभिप्रेरणा में अन्तर है।

H_{03} सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् महिला शिक्षकों में अभिप्रेरणा में अन्तर नहीं है।

सारणी सं0 3

सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् महिला शिक्षकों में अभिप्रेरणा के बीच टी–अनुपात

क्र0 सं0	न्यादर्श	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मध्यमान का अन्तर	प्रमाणिक त्रुटि	टी–मान
1.	सरकारी	25	124.88	24.05	8.84	5.70	1.55*
2.	गैर सरकारी	25	133.72	15.33			

*0.05 सार्थकता स्तर पर असार्थक

व्याख्या– उपर्युक्त सारणी सं0 3 में सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् महिला शिक्षकों में अभिप्रेरणा का मध्यमान क्रमशः 124.88 एवं 133.72 जबकि मानक विचलन क्रमशः 24.05 एवं 15.33 है। दोनों के मध्य टी–मान 1.55 है जो कि .05 सार्थकता स्तर पर असार्थक पाया गया अर्थात् दोनों प्रकार के विद्यालयों में अन्तर नहीं पाया गया।

निष्कर्ष– सरकारी एवं गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा में अन्तर पाया गया। यह अन्तर यह दर्शाता है कि गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों में अभिप्रेरणा उच्च पाया जाना यह दर्शाता है कि गैर सरकारी विद्यालयों में प्रबन्ध द्वारा विद्यार्थियों की संख्या में अधिकता लाने हेतु अच्छे वातावरण, अच्छे संसाधन, कुशल शिक्षण विधियों, आधुनिक सयंत्रों की उपलब्धता के कारण शिक्षकों द्वारा बच्चों को कुशल शिक्षण प्रदान कराने के साथ उच्च अभिप्रेरणा के साथ कक्षा–कक्ष में अध्यापन कार्य कराते हैं। समान अध्ययन में **अलथाफ लिण्डे एण्ड मासन (2007)** ने अध्ययन में इंगित किया कि जिन कक्षाओं का वातावरण अच्छा एवं अध्यापकों का छात्रों के प्रति दृष्टिकोण अच्छा था उस कक्षा के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा अन्य कक्षाओं के छात्रों की अपेक्षा अधिक थी। वहीं सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की स्थिति बहुत दयनीय हो गयी है तथा सरकार द्वारा आने वाले अनुदान का सही उपयोग न करना तथा विद्यालय में आधुनिक सयंत्रों की सुविधा न होने के कारण शिक्षकों की अभिप्रेरणा कम पाया जाना हो सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. अली यासिन एवं अन्य (2016). टीचर मोटिवेशन एण्ड स्कूल परफार्मेन्स, द मेडिएटींग इफेक्ट ऑफ जॉब सैट्सिफैक्शन : सर्वे फ्राम सेकेण्डरी स्कूल्स इन मोगादिशु, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड सोशल साइंस, वॉ0 3, नं0 1, पृ0 24–38
2. इलीफेलेट (2016). ए कम्प्रेटिव स्टडी ऑफ टीचर्स मोटिवेशन ऑन वर्क परफार्मेन्स इन सेलेक्टेड पब्लिक एण्ड प्राइवेट सेकेण्डरी स्कूल्स इन किलमंजारो रीजन, तंजानिया, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड रिसर्च, वॉ0 4, नं0 6, पृ0 583–600
3. ए.जे. सेनीवोलिबा (2013). टीचर मोटिवेशन एण्ड जॉब सैट्सिफैक्शन इन सीनियर हाईस्कूल्स इन द टाम्पले मेट्रोपोलिस ऑफ घाना, मेरिट रिसर्च जर्नल्स, वॉ0 1(9), पृ0 181–196
4. महरजन, सरिता (2012), एसोशिएसन बिटविन वर्क मोटीवेशन एण्ड जॉब सैटिफैक्शन ऑफ कॉलेज टीचर्स, एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड मैनेजमेण्ट रिव्यू, वॉ0 24, नं0 2, पृ0 45–45–55
5. साराह ई0 अलथाफ, क्रिस्टेन जे0 लिण्डे जॉन मासन, (2007) हाईस्कूल स्टूडेन्ट्स एकेडमिक एचीवमेन्ट स्टूडेण्ट मोटीवेशन, क्लासरूम कम्न्यूकेशन, डिजरटेशन थीसिस ऑन लाइन सर्मथन।